मोतीलाल नेहरु कॉलेज
Motilal Nehru College

(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)

संदर्भ : एमएनसी/बीजेएम
Ref. : MNC/BJM/
09.11.2021

बेनीतो हुआरेज मार्ग
नई दिल्ली-110021
Benito Juarez Marg
New Delhi-110021

Regarding Mentor-Mentee Counselling Meetings

All the colleagues are hereby requested to hold counselling meetings with mentees on monthly basis from current academic session. The list of mentees assigned to mentors is enclosed.

Officiating Principal

Dr Shrivatsa

Website : http://www.mncdu.ac.in
E-mail: motilalnehru64@gmail.com

2.3.3. Ratio of mentor to students for academic and other related issues Mentor: Mentee ratio –

No. of Students	Total No. of Teachers	Teachers on Leave	Current Active Teachers	Students Teachers Ratio
2124	142	7	135	15.73333

View Student's Information and their Mentor

शिक्षक - डॉ महंथी प्रसाद यादव हिंदी विभाग mlnc

Mail id – mohanthiyadavdv@gmail.com

p.hno- 9868659150

topic- इस विषय पर विद्यार्थियों के द्वारा तमाम तर्क वितरक किया गया पर अध्यापक ने इस विषय पर बात करते हुए संतुलित बनाये रखा और सर्कार समाज डॉक्टर तमाम स्वयं सेविक संस्थाओ द्वारा किये गए कार्यो के तरफ विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया और एक जुट हो करके किसी भी समस्याओ का निधन ढूंढा जा सकता है

हिंदी पेपर - 3 सामूहिक चचा

दिनांक 27 दिसंबर 2021

विषय : Covid - 19 के समय ऑक्सीजन की समस्या

परिचय -श्री महंथी सर 19 के समय ऑक्सीजन की बी.ए हिंदी ऑनर्स द्वारा कक्षा को दिया गया महत्वपूर्ण कार्य, सामूहिक चर्चा र ग्रुप डिस्कशन) विषय, कोविंड -19 के समय ऑक्सीजन की समस्या । इस सामूहिक चर्चा में सभी छात्रों ने अपने तर्क एवं विचार प्रस्तुत किए जो निम्न प्रकार हैं।

Robin

-HNH21008

विषय : Covid - 19 के समय ऑक्सीजन की समस्या

भारत में कोरोना वायरस कि दूसरी लहर स्वास्थय अवस्था था तेजी से फैलने पूरी तरह चरमरा गई, वाला कोरोना के कारण कारण वायरस का उत्परिवर्ती डेल्टा टेरियट जिसके कारण रोगीयो के शरीर में ऑक्सीजन की भारी कमी हो शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण पूरे मे हाहाकार मंच गया । नटिजन पूरे जाना, भारतवर्ष भारत में ऑक्सीजन की कमी हो गई और बेहिसाब मांग के चलते ऑक्सीजन सिलेंडरो कि कालाबाजारी भी देखने को मिली जो की आपदा समय मे एक आमाजतीय क्या था और राजनीती भी खुब हुई नतीजऊ अवयवस्था को मिली के कारण मृत्युदर में बढ़ोतरी देखने

नाम : आदित्य क्रमांक:- HINH 21062

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनिटो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली–110021
New Delhi-110021

कोरोला के यमस्था

कोरोला के कारण ऑक्सीजन की समस्या | कोस्ब कोरोना के को हिला V कर रख पहले ने ही पुरे दुनिया, लहर दिया लोग इससे उमरे मां था, नहीं थे की तभि दुसरे लहर ने तेहेवका दिया। जहा और इसका देखो कोई कोइ बहा सबसे बड़ा कारण था कमि । अस्पतालों मे T अचावक मर रध सचा ऑक्सीजन की से लोगो के कारण ऑक्सीजन की कमि हो इतवं थी और लोगों की सरने की संख्या दिन प्रती दिन बढ़ती जा ऑक्सीजन को रही थी। कोरोना के भाग इत्वी खड़ कारण गइ थी की लोग अब उसे गैरकानूनी तरीके से बेच रहे थे। मरीजो को अस्पतालो मे भरतो वही किया के ला रहा कारण। कारण ऑक्सीजन की सी कम दुसरे, में ऑक्सीजन के लहर काफि जाने जिसके काफि मानहानि हुरा

Name- Nishant Jaiswal

Rall no. HNH 21060.

Class- BA (Hindi) Hans. Works Assignment & GD work.

Covid के कारण ऑकसीजन की समस्या |

भारत में कोशना वायरस की दूसरी लहर के कारण देश के कई हिस्सो में अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई को लेकर एक विकट स्थिति उभरकर सामने आई है, ऐसी स्थिति देश में पहले कभी नहीं देखी गई। कोरोना की लहर में अस्पताल ऑक्सीजन की कमी की गुहार लगाते देखे गए और सोशल मीडिया ऐसे संदेशों से भरा रहा, जिनमें अस्पताल कह रहे थे कि उनके पास अब चंद घंटो की ऑक्सीजन सप्लाई ही बची है और उनके मरीजों की जान खतरे में है। चाहे भीरत मांगिए, उधार लीजिए या चोरी की लिए आपको ऑक्सीजन का इंतजाम करना ही पड़ेगा," यह शब्द है दिल्ली हाई कोर्ट के दो जनो की है। भारत मे ऑक्सीज परथापत मात्रा मे बनाया जाता है लेकिन ऑक्सीजन कमी का मुख्य कारण यह है कि एक राज्य से दूसरे राज्यो तक ऑकसीजन पहुँचाना जैसे माहाराष्ट्र और गुजरात ऑक्सीजन अच्छी मात्रा में बनाते है लेकिन कोरोना सबसे ज्यादा इन ही राज्यों फैला हुआ था जिससे की यह दोनो राज्य दूसरे राज्यों को ऑकसीजन सपलाई में असमर्थ थे।

NAME POOJA HNH21064. B.A. HINDI HOALS DATE - 27/06/22

भारत में कोरोना वायरस के कारण, देश में कई अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी होने की विकट समस्याएं उभरकर सामने आई । कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद अस्पतालों में बेड्स और ऑक्सीजन सिलेंडर की भारी किल्लत हो गयी थी। जिससे बचने के लिए, लोगों ने ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर रखकर अपने सैचुएशन में सुधार करना शुरू कर दिया था | कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन की किल्लत हो जाने के कारण केंन्द्र और प्रदेश सरकार ने झांसी मंडल में 13

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली–110021
New Delhi-110021

ऑक्सीजन प्लांटों को स्थापित कराया । भारत में 7,000 मीट्रिक टन ऑक्सीजन का उत्पादन रोज होता है। पर इसका अधिकांश हिस्सा इंडस्ट्रीज को जाता है। पर समस्या है परिवहन और स्टोरेज की। भारत के पास 1,224 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन टैंकर है, जिनकी कुल क्षमता 16,732 मीट्रिक टन की है। पर ज्यादातर ऑक्सीजन पूर्वी हिस्से में बनती है और देश के हिस्सों में इसे में बनती है और देश के अन्य हिस्सों में इसे पहुंचने में 6-7 दिन जाते है, इसकी वजह से कभी लोग अपनी चुके।

Name - Prashant

ROLL NO. - HNH21029

Covid के समय ऑक्सीजन की समस्या

भारत में कोरोना की दूसरी लहर के कारण देश के कई हिस्सो में ऑक्सिजन की किल्लत सम सामने आई, जो पहले कभी नहीं देखी गई । महामारी के दूसरे दौर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के चलते चलते केवल कुछ घंटों की हीं सप्लाई बची हैं थी तथा अनेक मरीजों की जान खतरे में मरीजों के परिजन तथा अन्य देखभाल करने वाले लोग ऑक्सीजन सिलिंडर भरवानें के लिए दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर दिखे । इस दौरान कई मरिजों की जान ऑक्सीजन की कमी के चलते हुई। दूसरी लहर से पहले 0 ऑक्सीजन उपयोग समय यहीं 850. हन आकड़ा होता था 12000 का उत्पादन परंतु दूसरी लहर के हन पहुँच गई ख केन्द्र तथा सरकार एके दूसरे पर राज्य आओ आरोप - प्रत्यारोप लगा रहे थे

प्रिया

अनुक्रमांक

HNH 21065

Covid भारत लहर लेकर -19 के समय ऑक्सीजन की समस्या ये कोरोना के अस्पलालो उपक कारण विकट दायकरस की दूसरी हिस्से ऑक्सीजन सप्लाई को समस्या ऐसी स्थिति जो देश में पहले कभी नहीं देखी गड़ों ऐसे मे इस आई हूँ समस्या हमारी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भी अछूती अ को का नहीं रहो, अस्पतालों में ऑक्सीजन कमी के 'कारण मरीजों को बतरा रहा कॉ कमी चलस्ते उस तमाम के ऑक्सीजन समय अस्पतालों से कंसट्रेटर्स का प्रयोग किया "क्योकि उस वक्त मरीजो के गया ऑक्सीजन के लेवल को जल्द ट्रेक पर लाना जल्ड से जरूरी था ।

नाम- अमन मिश्रा

क्रमांक HNH21043

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली—110021
New Delhi-110021

करोना में ऑक्सीजन की भारत में 2nd वेन झाने के कमा कारण मरीजों में बेतहासा बढ़ोतरी मरीजों की संख्या अत्यधिक होने हुई भारत में ऑक्सीजन की करोना कारण कमी ऑक्सीजन में कमी हो जाने के कारण मृत्यु दर इसका में हुई बढ़ोतरी मूख्य

कारण :- सलेंडर की कालाबाज

भारत में, ऑक्सीजन प्लांट की कमी । लोगों में जागरूकता की कमी

- * सलेंडर माँग में बढ़ोतरी ।

नाम- विश्वास चौदान

HNH21082.

कोरोना में ऑक्सीजन की भी कमी - भारत में कोरोना वायरस के कारन ऑक्सीजन की कमी हुई इसके कारन मूल्य दर में बढ़ोतरी हुई

दूसरी और मरीजों के परिणाम खाली ऑक्सीजन सिलेंडर को भरवाते हुए दर दर भटकते देखा

ऑक्सीजन की कमी का प्रभाव कारन यह था की मरीज की बढ़ोतरी हो जाना व् सिलेंडर की कला बाजारी करना

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली—110021
New Delhi-110021

BA hons 1St year 1 semester के विद्यार्थीयो साथ बात की गई जिसमे लग भाग सभी विद्यार्थीयो ने रूचि दिखाई

शिक्षक - डॉ महंथी प्रसाद यादव हिंदी विभाग mlnc

Mail id – mohanthiyadavdv@gmail.com

p.hno- 9868659150

topic - Covid 19 के कारण पर्यावरण पर प्रभाव के विषय में विद्यार्थियों से संवाद किया गया कक्षा में उपस्थित सभी विद्यार्थीओ ने अपने अपने समझ से बात रखी उसको सभी को सुनने के बाद इस निष्कर्ष पर पंहुचा गया की आज का समाज बेहतरीन रूप से जागरूक एवं समृद्ध है यह भी पाया गया की COVID के समय में जाहि एक तरफ लोग एक दूसरे से गभरा रहे थे वही पर तमाम सेविओ ने डॉक्टरों ने देश के तमाम वर्करो ने अपना परिवार त्याग करके एक जुट दिखाया कहने को बहुत कुछ है पर बहुत सी सीमाय है

Group Discussion

3-1-2022

Topic - CoviD-19 के कारण पर्यावरण पर प्रभाव

भूमिका : महामारी यही है? मानव गतिविधि परिवर्तन के कारण उत्सर्जन और यानी को गुणवती -लु प्रदूषण, है। जैसा कि २०२० पर्यावरण पर प्रभाव मे नाटकीय ग्रीनहाउस गैस मे बदलाव महामारी एक वैश्विक स्वाधिकारसहित विभिन्न लॉकडाउन और भाषा राष्ट्रीय प्रतिक्रियाओ ने समाज आ उपभोग व्यवधान आर्थिक गतिविधि. शुरूआत म बन गई, ऊर्जा के मे काफी पैदा किया, महामारी की शुरूआत पर, मानव निष्क्रियता पर के परिणामस्वरूप भावरण क कुछ सकारात्मक प्रभाव देखे गए। २०२० मे कार्बन डाइ ऑक्साइड उत्सर्जन वे वैश्विक स्तर पर 6.4% 11 2.3 बिलियन इन आई है। चीन मे बॉकडाउन और की गिरावट अन्य के परिणामस्वरूप कोयले की खपत उपायो म 26% की कमी हुई और नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्सर्जन मे 50% की कमी आई।

- पर्यावरण पर प्रभाव: COVID-19 ने जहाँ एक ओर दुनिया भर मे कई विकट चुनौतिया पैदा की है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक सौंदभू भा अद्भूत व जीवंत नजरे देखने को मिल रहे इतिहास गवाह है कि अतीत मे जब-जब इस प्रकार की भयानक महामारियाँ आई है, तब तक पर्यावरण ने

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली–110021
New Delhi-110021

सकारात्मक करवर के चलते दविभान्मर मे कोरोना वा सके. चल स लॉकडाउन लगा हुआ भा लोग अपने- अपने घरो मे केवल ज़ंद हवा और नदियाँ साफ हो रही है बल्कि जरती की सतह पर मौजूद साउंड वाइब्रेशन मे कमी भी महसूस का गई है। कोरोना वाकरस के चलते पूरी दुनिया से लंबे समकृति मे मनुष्ष्ट का तक रहा। इसके चलते प्रकृातू लॉकडाउन दखल एकदम बद नतीजन घ गया प्रकृति, खुलकर निखरकर अपने नैसर्गिक स्वरूप मे ऑ गई।

काफ़ी कम समय में दुनिया में फैली CovID-19 999 औद्योगिक गतिविधिको सड़क भालाभात और पुर्कार्टन से नाटकी की रूपड़ी में कमी ला दी इस संकट प्रकृति के साथ मानव का सीमित संपर्क प्रकृति और पूर्भावरण के लिए वरदान के रूप में सामने आया ही है कि रिपोर्ट संकेत दे दुनिया का से प्रकोप के बाद, नदियो मे हवा Covi-19 के म गुणवत्ता और पानी की गुणवता सहित पर्याव स्थिति मे सुधार खिल रहे है। भारत रहा है। वन्यजीव हमेशा भारी आबादी भारी भाताभात और प्रदूषणकारी उद्यो को साथ प्रदूषण को केन्द्र जिसके कारण सभी प्रमुख शहरो मे उच्च गुणवता सूचकांक (एक्यूआई) है। से लेकिन Covis-19 घोषणा के के कारण बाद, की लॉकडाउन की मे और अन्य हवा गुणवता क सुधार होना शुरू हो की सभी मापदंडो गया की गुणवता ने बहाल करने की दिशा मे यानी सकारात्मक संकेत देना शुरू कर दिया।

कोरोना के कारण हर तरह के दुष्परिणाम जैसे वायु प्रदुषण, जल प्रदूषण, ज्वनि प्रदूषण आदि में कमी आई है और हर तरह के कारखाने, होटल, जिम सब बद होने क रोजगार कारण लोग घरो में कैद रहे इससे पर्यावरण बहुत हो 1 परंतु महामारी के कांढरा दौकिये कचूरा बहुत आरक अच्छा इस मात्रा के निकल रहा नुकसान पहुँचा रहा था। जा प्रभावरण का कोरोना काल के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका मे हिरण, भालू, पहाडी शेर जैसे घातक के साथ क्न वाहन टक्का मार्च और अप्रैल के दौरान 58% तूक कुम रु कम गला के मानव हस्तग्रुप होने के कारण जानवरो को पूरी आजादी अपना जीवन जीने COVID-19 कारण का मानवा सौभाग्य प्राप्त हुआ। "का हस्तक्षेप कम होने पर पर्यावरण मे प्रदूषण में कमी, जानवरो मे प्रजन्न के मात्रा मे वृद्धि हुई क्योंक मानव हर जगह से प्रतिबन्धित हो गये थे।

यह सर्वविदित तथ्य है कि जनसंख्या वृद्धि है परिणामस्वरूप पर्यावरण को घनि ग्लोबल वार्मिंग मे जनसंख्या के का रूप पहुंची है। के प्रत्येकां प्रत्यक्ष लोगदान नही है, लेकिन ऊप्रत्यक्ष से लगभग प्रत्येक व्यक्ति का भोगदान है कई पर्यावरणीय चक्र (कार्बन, पानी, नाइटोजन) m मानव भूतिविधियों के कारण बाधित होते है, और यह पर्यावरणीय नुकसान और जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारण बन रहा है। 0019-19 के कारण नौकरी के अवसरी से तेजीसे कमी आई है,कई बेरोजगारदुनिया भर मे विशेष रूप से कमी उष्णकटिबंधीय क्षेत्रो मे अवैध्य बनो 'कटाई के लिए ले जाना गला हूँ। सैटा लाइट वनो की दूद्वारा दिखई गई तस्वीरो मे अमेजॉन वर्षावन की कटाई 50%. ज्यादा अधिक बढ़ रही है, इसके विपरीत COV/28 Covig-19 के कारण हुई बेरोजगारी पाकिस्तान 20 बिलियन पेड़ लगाने, क लिए मजदूर रखे गए। क्योकि महामारी ने कई अधिकारिको को बेरोजगार देखा, ३०२० शिकार आजूक | और 201 के दौरान

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली–110021
New Delhi-110021

कोलांबला मे, गतिविधियों और जंगल की आग वर्षावन के और विनाश के लोगदान देने वाले दो सबसे बड़े कारक

निष्कर्ष

CoviD-19 कारण पर्यावरण पर प्रभाव पड़ा है। इस समय मानवता अंदर पीछे हट जाती बहुत अच्छान प्प क और गैर- मानवीय प्राकृतिक दुनिया मुक्त हो जाती जलमार्ग और नदिया साफ दिखती दानुभा हवा ताजी होती है, स्मॉग चला जाता धुंध घंट जाती और 'वन्धुजीवो भर दिया है, खुले स्थानो दुनिया भर मे कोरोनावायरस लॉकडाउन का पर्यावरण यह कई सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लाखे लोगो को घर के लेकिन अन्दर कर लिया गया है बाहर की प्राकृतिक दुनिया के बहलाव मे जारी है और प्राकृतिक दुनिया हमारी अनुपस्थिति के लाभान्वित हो रही है।

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली–110021
New Delhi-110021

शिक्षक - डॉ महंथी प्रसाद यादव हिंदी विभाग mlnc

Mail id – mohanthiyadavdv@gmail.com

p.hno- 9868659150

topic - वर्तमान में राजनीतिक एवं सामाजिक व्यवस्था पर बात करते हुए उनको यह बताया गया कि हम किस तरह से स राजनीतिक पहीलीयो प्रचार प्रसार कर सकते है। उस पर समान का पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा इस पर चर्चा कि गईजि रामे विद्यार्थीयों ने बम्पट कर भागीयता दिखाई

Group Discussion

Date -9-6-2022

Topic: वर्तमान मे राजनीतिक एवं सामाजिक व्यवस्था

भूमिका :- भारत की राजनीति संविधान के ढाँचे में काम करती जहाँ पर राष्ट्रपति देश का होता है और प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है। भारत एक संघीय संसदीय लोकतांत्रिक गणतंत्र है, भारत एक हि-राजतना का अनुसरण करता है, अर्थात केन्द्र में एक केन्द्रीय सता वाली सरकार संविध्यान और परिधि में राज्य सरकारे के धर्म- निरमेक्ष, लोकतात्रिक अनुसार, 7 भारत एक प्रधान, मूल्य की है समाजवादी सरकार जनता के द्वारा सूर्योदय जातो कुछ पर समाज मे जिनकी व्यवस्था कि ऐसे इसलिए श्रेष्ठतर मूल्यो जिससे समाज उनजाती को प्राप्त करने के मार्ग मह आगे बढ़ सके। भारत एक लोकतात्रिक देश है लेकिन इस देश मे लोकतंत्र का कोई महत्व दिखाई नही र यह रहा है, लेकतंत्र को दिखाई देने लिए एक क्रमबद्ध तरीक चुनाव तब का फालद क समय से लोकतंतू भा कि केवल रूपने लिए जनता को आगे करे जा रहे मे राजनीति पुरी तरह से म नाम मात्र नही यह तो राज्य सही अर्थ का की नौति चक्क का सहार राजनीति राज्य की नीति को कैसे सुचारू रूप से चलाया जाए जो कि पहले बार देश में देखने को मिल रहा है। राजनीतिक एवं सामाजिक व्यवस्था :- कुवी लोकसभा के लिए हुआ चुनाव दुनिया की बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया भी जिसमे 909 करोड़ मतदाताओ 1293 राजनीतिक ठूलो और 8000 से ज्यादा प्रत्याशिको न लोकसभा की 543 सोटो के लिए निर्वाचन प्रक्रिया मे हिस्सा लिया। आने वाले मे भारत - जो दुनिया का सबसे अधिक विविधता वाला देश और जहाँ हजारों जातियों CO) समुदायों और जनजातियो की अपनी अलग चिंताए तथा अपेक्षाएं है, समय अल सुफल राजनीतिक दल वही माना जा सकता है इस विविधाता पूर्ण आबादी को संभोजित कर सके । सामान्यत: उसी एक पाटयें की बनाने के लिए संसद में सर्वाधिक सरकार सीटें मिलती है जो रुमाजु के विभिन्न चगा को अपने साथ जोड़ने मे सफल रहती है,

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली—110021
New Delhi-110021

- सामाजिक परिस्थितियों के पर मे रुकती है। समाज में राजनीतिक शक्ति के कुणी दारी की कई समानताएं

सामाजिक व्यवस्मा मे लोकतंत्र ऐसा के रूप विचार है जू स्वतंत्रता, समानता एवं बन्धुत्व भावनाओ गठित करना के आध्याह पर समाज को चाहता सामाजिक दृष्टि से सभी नागरिक बराबर है। प्रजातंत्र में समानता को बहुत महत्व दिया जाता है। है । समानता का तात्पर्य यह है कि सभी भक्तियो को अवसर मिले। प्रत्येक कारण व्यक्ति को अपनी लोग्यता के अनुकूल अवसर मिले, अभवा किना रंग, जाति एवं धर्म के दल विशेष का सदस्य होने के नाते कोई भक्ति बड़ा अथवा छोटा नही समझा जा सकता। सभी नागरिको को अपनी अपनी भोग्यता एवं क्षमता अनुसार रूपना कार्य करने एवं कार्य उन्नति करन स्वतंत्रता होती है। सबको अपनी भोगता के की आधार पर पद प्राप्त करने का अधिकार होता है। राज्य अमवा समाज द्वारा ना सबको रुमान अवसर तथा सुविधाएँ प्रदान करने होता है जिससे प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्र का एक श्रेष्ठ नागरिक बन सके हट जगह लोग पुराने सामाजिक ढांचों को तोड़ने की कोशिश कर है क्योंकि बे लेकिन रहेक अपने वर्तमान से अनंतुष्ट यह नही जानते तक उन्हें 'किस चीज तलाश है। लोगों मे आप्पानक दुनिया जैसा बनने की इच्छ है। किंतु की वा श्रेष्ठता ज्यादा लोग पश्चिमी संस्कृति हुए स्प विचार को अस्वीकार करते भह नई आधुनिकता रूप से नहीं जानते कि किन-किन उच्च बिन्दुओ से, होकर गुज़रेगी। हमारे पास पश्चिमी जगत आधुनिकत और जापान के अलावा आधुनिकता दूसरा मॉडल नही है ।लोगो को बात का अहसास कि आत्पनिकता का अर्थ स्मार्टफोन फेसबुक इस भा नवीनतम करे चलाना नही कम ही है का संदर्भ अनिवार्य रूप से लोग है, 1 आष्पनिकता सामाजिक संरचनाएं, लैंगिक संबंध और राजनीतिक अवस्था जैसी बाते है। सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के खिलाफ रुढ़िवादी बिलकुल नई भले हो लेकिन निश्चित रूप से सामने आ रही तट आजादी के बाद से बढ़ती सामाजिक-आर्थिक गतिशीलता खीच पुरानी वर्ण जातित मी स्वर्ग सामंती जाति कारण व्यवस्था समाज की वकालत करते स्वतंत्रता छीनने प्रभास हुए महिलाओ भी कर रहे है। पिछले तीन दशक की सबसे बड़ी कुथाओं में एक है दालतले और निचली जातियों की और उनके पुश्तैनी पेशो का समापन जिसके साथ उन पर हावी रही प्रमुख जातियो का प्रभुत भी घटा है । इन बदलावो 23 सामाजिक संरचना को नष्ट-काट कर ने पुरानी दिया है। लुजिससे प्रभुत्वशाली जातियों की लग रहा ह 7क शक्ति तेजी से उनको सामाजिक और आर्थिक घट रही ६! इसके साथ ही समुद्र जातियो और लिंगों के लिए, शिक्षा और आर्थिक अवसरो का प्रसार होने से माजिक और लिंग संबंधों मे सामा एक कम मुखर किंतु दूरगामी पुनर्गठन की प्रक्रिया चल रही इससे रुमाज के कुछ गुस्सा के प्राचीन गु मनुस्मृति और झाली तर पचचर रहे दी गई व्यवस्थाओ के पक्षधर उनके अनुसार वर्ण-व्यवस्था फिट लागू किया जाना चाहिए और किसी को जन्म से निर्धारित पेशो को बदलने का अधिकार नही होना चाहिए महिलाओ को पर्दे और घरो तक सीमित किया जाना चाहिए। 100

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली—110021
New Delhi-110021

लोकतंत्र, एकू पूरेम की दर्गा है कि व्यक्ति श्री सहायता से पूर्णता की समाज प्राप्त करे, लोकतंत्र न तो समाज द्वारा व्यक्ति के शोषण और न भक्ति द्वारा समाजन का अवहेलना की आज्ञा शब्दों मे हम का कार्य समाज करना को का कि के हितो दूसरे इस प्रकार संगठित है जसे भक्त समाज द्वित प्रद का द्वारा अपने विकाल कर सके।

निष्कर्ष

उपरोक्त चूर्चा के बाद हम इस निष्कर्ष यह पहुंचते है कि भारत की वर्तमान अच्छी सन्दभू राजनीतिक एवं सामाजिक व्यवस्था खासा अ नहीं है। जब हम ऊपने राष्ट्र भं चर्चा करत प्रभम् यह तकं प्रतिक्रिया होती है, तो हमारी दो तरह का हमारा देश एक संघीय संसदीय, लोक तात्रिक गणतंत्र है। इसी राण हमारी धर्म- संस्कृति अनेको आक्रमणों के दुष्परिणाम के बाद भी इस आधार पर कह जीवन निश्चित हीं दिन एकू हम रुकते भारत वर्ष जगद्गुरू बनेगा दूसरी प्रतिक्रिया हम यह भी करते है कि भ्रष्टाचार एक हमारा राजक्ता राष्ट्र जातिभेद, हिंग का शिकार होता जा रहा है। देश का शासक वर्ग ऊपराण एवं श्रुतिभेद के आप्पा पर ज्ञापन कर रहा है। गरीब और गरीब तथा अमीर और अधिक आर्थिक सम्पन्न होता जा रहा हूँ। हमारी उपर्युक्त दोनो प्रतिक्रिया आदर्श तमा भभार्थ को उद्घाटित करती है

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली–110021
New Delhi-110021

शिक्षक - डॉ महंथी प्रसाद यादव हिंदी विभाग mlnc

Mail id – mohanthiyadavdv@gmail.com

p.hno- 9868659150

topic - इस विषय पर विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया और तमाम उद्धरण प्रस्तुत किये अध्यापक द्वारा इस विषय को तमाम चुनौतियों के साथ जोड़ करके छात्र छात्रों को बताने की कोशिश की शिक्षा से लेकर के खेल खुद राजनैतिक देश सेवा राजनैतिक तमाम विषयो पर जो उनका योगदान रहता है उसपर विस्तार से चर्चा की यहाँ तक की महिलाओ के काम काज को सराह गया , घर से लेकर के दफ्तर तक तमाम जिम्मेदारी उठती है इसलिए वो सर्वश्रेष्ठ एवं महान है

Name NishantJaisalal

Date - 10 june 2022

Class - BA (Hindi) hons

Rollno HNH 21060

Work -शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं को योगदान

शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं को योगदान ऐतिहासिक रूप से महिलाएँ जीवन के सभी क्षेत्रों में साहस और उत्साह से भाग लेती रही है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी इसका अपवाद नहीं है। 20वीं शता हदी की शुरुआत में महिलाओं के लिए शिक्षा पर जोर दिया गया ताकि वे अपनी संतान को शिक्षित कर राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग दे सके । देश के प्रथम प्रधान मंत्री ती जि. जवाहर लाल नेहरू का कहना था कि आप महिलाओं की स्थिति को देखकर किसी राष्ट्र की स्थिति का आकलन कर सकते है।जब महिलाएँ अधिक शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करती है तो अधिक धनार्जन भी करेगी। जब महिलाएँ अधिक रानार्धन करेगी तो वे इसे अपनी संतान की शिक्षा और स्वास्थ पर खर्च करेगी। जन महिलाओं का आर्थिक स्तर बढेगा तो उन्हें घर मे अधिक सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होती है और उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकेगा। जब महिलाओं की आर्थिक शक्ति में वृद्धि होगी तो उन्हें पुत्र उत्पन्न करने जैसे पारंपरिक रूडियो से मुक्ति मिल सकेगी और दहेज कुरीति पर लगाम कसने की सहायता मिलेगी। शिक्षा में

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली-110021
New Delhi-110021

महिलाओं योगदान देश के आजादले या राजान में महिलाओं योगदान बहोत कम था, लेकिन जैसे-जैसे हस, आधुनिकता की ओर बढ़ते गए शिक्षा से महिलाओं का योगदान भों बढ़ते गया । आज ९ युग कम से तो महिलाएं किसी भी क्षेत्र मे मदर्दी नहीं है यहा तक का महिलाएं शिक्षा मे सर्दी से आगे निकल चुकी है। हमारे देश पी. रस्सी (UPSC) की परिक्षा यू एस. स्व उसमें इस बार महिलाओं ने दिखाया है। प्रथम तीन में महिलाओं बाम महिलाओं के देश और परिवार महिलास महिलार शिक्षित होतों कमाल कर होते. भी शिक्षित हो ही बच्चों काहि कारण PE छ पहली शिक्षक होती है। जिसके कारण हमारे देश मे शिक्षित लोगो देश का स्तर आग भी आगे बढ़ रहा है और हंसारा बढ़ रहा है।

POOJA

NH21064

B.A. HINDI HONS

२०वी शताब्दी की शुरुआत में महिलाओ के लिए अपनो शताब्दी की शिक्षा संतान निर्माण में पर की अपना में सरोजिनी शुरुआत जोर शिक्षित सहयोग में महिलाओं के दिया ताकि वे कर राष्ट्र दे सकें। सभा को 1906 नायडू संबोधित करते हुए एक को रेखांनित किया | मसय तक महिलाएँ बड़ी काफी जीवन में मांग लेने इस संख्या में सार्वजनिक लगी भी। महत्व महिला शिक्षा के रमाबाई बेसेंट एनी , रावाड़े सरोजनी नायडू, रामेश्वरी नेहरू, राजकुमारी अमृत कौर अरुणा आसफ अली, सचेता कृपलानी उषा मेहता जैसी महिलाओं ने महत्तवपूर्ण राजनीतिक भूमिकाओं का और सामाजिक निर्वहन किया २. बी शताब्दी की शुरुआत में महिलाओं के लिए शिक्षा पर जोर दिया गया ताकि वह अपनी संतान को शिक्षित कर राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग दे सके 11906 में सरोजिनी नायडू ने एक सभा को संबोधित करते हुए महिला शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया | इस मस्य तक महिलाएं काफी बड़ी संख्या, सार्वजनिक जीवन में भाग लो लगी थी। रमाबाई रानाडे सरोजनी नायडू, एनी बेसेंट, रामेश्वरी नेहरू, राजकुमारी असते कौर, अरुणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी, उषा मेहता और देष्णवी देवी जैसी महिलाएं के महत्वपूर्ण, राजनीतिक और सामाजिक भूमिकाओं का निर्वाहन किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद महिलाओं की शिक्षा, विशेष रूप मे उच्च शिक्षा कि नई शुरुआत

कार्यवाहक प्राचार्य
Officiating Principal
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय
Motilal Nehru College
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)
बेनितो हुआरेज मार्ग
Benito Juarez Marg
नई दिल्ली-110021
New Delhi-110021